19 वसंती हवा

हवा हूँ, हवा मैं वसंती हवा हूँ।
सुनो बात मेरी- अनोखी हवा हूँ,
बड़ी बावली हूँ, बड़ी मस्तमौला,
नहीं कुछ फिकर है, बड़ी ही निडर हूँ,
जिधर चाहती हूँ, उधर घूमती हूँ।
हवा हूँ, हवा मैं वसंती हवा हूँ।

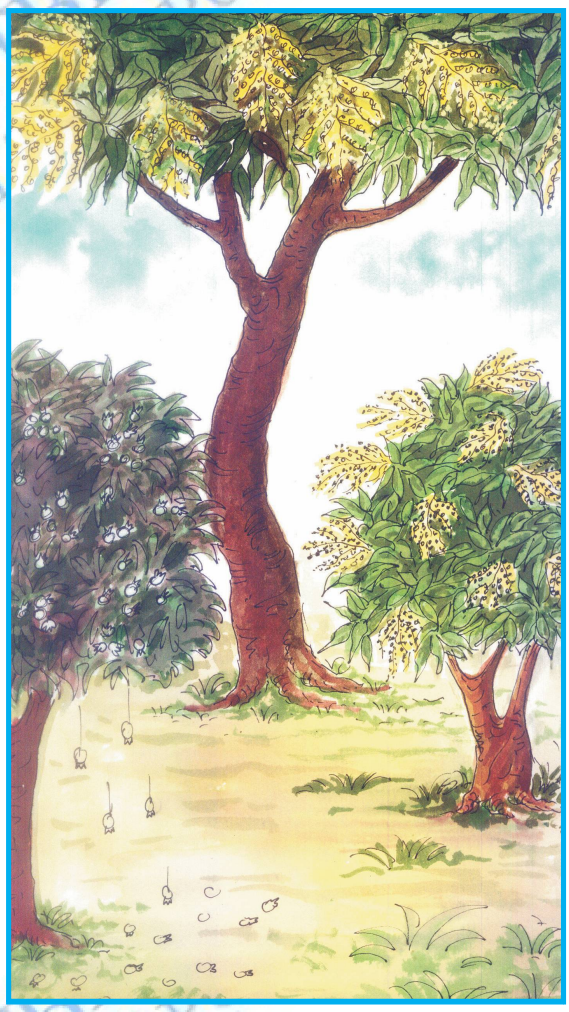

मुसाफिर अजब हूँ,
न घर-बार मेरा, न उद्देश्य मेरा,
न इच्छा किसी की, न आशा किसी की,
न प्रेमी, न दुश्मन,
जिधर चाहती हूँ, उधर घूमती हूँ।
हवा हूँ, हवा मैं, वसंती हवा हूँ।

जहाँ से चली मैं, जहाँ को गई मैं,
शहर, गाँव, बस्ती, नदी, रेत, निर्जन,
हरे खेत, पोखर,
झुलती चली मैं, झुमती चली मैं।
हवा हूँ, हवा मैं, वसंती हवा हूँ।

चढ़ी पेड़ महुआ, थपाथप मचाया,
गिरी धम्म से, फिर, चढ़ी आम ऊपर,

© RSTB WEB COPY NOT TO BE PUBLISHED

उसे भी झकोरा, किया कान में 'कू',
उतरकर भागी मैं, हरे खेत पहुँची-
वहाँ, गेहुँओं में, लहर खूब मारी,
पहर दो पहर क्या, अनेकों पहर तक।
इसी में रही मैं!
हवा हूँ, हवा मैं, वसंती हवा हूँ।

खड़ी देख अलसी, लिए शीश कलसी,
मुझे खूब सूझी-
हिलाया-पिलाया, गिरी पर न कलसी,
इसी हार को पा,
हिलाई न सरसों, झुलाई न सरसों,
हवा हूँ, हवा मैं, वसंती हवा हूँ।

मुझे देखते ही, अरहरी लजाई,
बनाया-मनाया, न मानी, न मानी,
उसे भी न छोड़ा,
पथिक आ रहा था, उसी पर ढकेला,
हँसी जोर से मैं, हँसी सब दिशाएँ,
हँसे लहलहाते, हरे खेत सारे,
हँसी चमचमाती भरी धूप प्यारी,
वसंती हवा में, हँसी सृष्टि सारी।
हवा हूँ, हवा मैं, वसंती हवा हूँ!!

- केदारनाथ अग्रवाल

© BSTBPC NOT TO BE PUBLISHED

शब्दार्थ

बावली - पगली

मस्तमौला - आजादी पसन्द करने वाला

मुसाफिर - यात्री

निर्जन - सुनसान

सृष्टि - संसार

शीश - माथा, सिर

कलसी - घड़ा, गगरी

पथिक - यात्री, राही

अलसी - तीसी, एक प्रकार का छोटा पौधा जिसके बीज से तेल निकलता है।

प्रश्न-अभ्यास

पाठ से-

1. वसंती हवा ने अपने आपको दूसरे मुसाफिरों से अलग क्यों बताया?
2. इस पाठ में खेत-खलिहानों के हँसने की बात कही गयी है। ऐसा क्यों\
3. 'वसंती हवा' का कौन-सा अंश आपको सबसे ज्यादा प्रभावित करता है और क्यों?
4. 'खड़ी देख अलसी, लिए शीश कलसी' की सुन्दरता को स्पष्ट कीजिए।

पाठ से आगे-

1. वसंत का आगमन कब होता है? इस ऋतु में आप कैसा अनुभव करते हैं? अपनी भाषा में लिखिए ।
2. इस पाठ को पढ़ने के बाद हवा के प्रति आपके मन में किस प्रकार के भाव उठते हैं ? लिखिए।
3. सरस्वती पूजा को वसंत पंचमी के नाम से भी जानते हैं। सरस्वती पूजा पर एक निबंध लिखिए।

© BSTBPC WEB COPY NOT TO BE PUBLISHED

व्याकरण-

1. **नीचे दिए गए पद्यांश में विशेषण शब्दों को रेखांकित कीजिए।**

अनोखी हवा हूँ
बड़ी बावली हूँ
बड़ी मस्तमौला
नहीं कुछ फिकर है
बड़ी ही निडर हूँ।

2. योजक चिह्न (-) इस बात को दर्शाता है कि इसके दोनों ओर के शब्द परस्पर मिले हुए हैं। जैसे - दिन-रात । इस प्रकार के और भी शब्दों को लिखिए।

कुछ करने को-

1. ऋतु से संबंधित कोई कविता अपनी कक्षा में सुनाइए।
2. आप किन-किन चिड़ियों को आवाज से पहचान सकते हैं? उनकी बोली के साथ सूची बनाइए।
3. वायु को प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए कौन-कौन से कदम उठाये जाने चाहिए? कक्षा में अपने साथियों से चर्चा कीजिए।

●●●

© BSTBPC NOT TO BE PUBLISHED WEB COPY